श्री कृष्ण की 16000 रानियों का अद्भुत सत्य।

बेहद के बच्चों को बेहद की परम शांति। बच्चो कभी यह सोचा है कि 16108 रानियां, कृष्ण की कौन थीं। जो श्री कृष्ण ने भीम के द्वारा मरवा कर, 16100 रानियां, वहां से। जो कैद में थीं। उनको आजाद करवा कर। वो तो जलने जा रही थीं कि हम तो जल जाएंगे।

क्योंकि धरती पर जीने लायक हमारा जीवन नहीं है। तब कृष्ण ने कहा कि मैं तुम्हें पत्नी के रूप में स्वीकार करके। तुम्हारे साथ शादी करूंगा और सब को एक- एक रूप दे दिया। 16108 रूप निकाल कर। सोने की द्वारिका में रखा और इनसे बच्चे भी पैदा किए। बच्चों के बच्चे भी हुए। तो वो कौन थीं। 16100 वो रानियां कौन थीं। कहां से आई थीं। क्यों आईं थी। किसने भेजा। क्यों भेजा। तो वो 16000 रानियां G2 से आई थीं, ग्रेट ग्रेट यूनिवर्स से। ग्रेट ग्रेट यूनिवर्स से 5 करोड़ परम परम महाशक्तियों को भेजा गया था। 5 करोड़ परम महाशक्तियों को और उनको बोला कि तुम सारे G1 में ऑब्जर्व करो। यूनिवर्स में ऑब्जर्व करो। गैलेक्सियों को ऑब्जर्व करो। सारा डाटा लेने के लिए उन्हें भेजा गया था, सारा नॉलेज। क्योंकि यह हर जगह, चाहे गैलेक्सी हो। तो वहां 16108 महाशक्तियां, महाशिव रूप निकालकर पूरी गैलेक्सी का संचालन महाशक्तियों के द्वारा करता है। इसी तरह यूनिवर्स भी 9 लाख परम महाशक्तियों से चलता है। वो भी परम महाशिव 9 लाख परम महाशक्तियों का सर्जन करता है और पूरा यूनिवर्स चलाता है, उसके द्वारा। इसी तरह से ग्रेट यूनिवर्स 2 करोड़ परम महाशक्तियां का सर्जन करके चलाता है। इसी तरह से G2 में भी 33 कोटि परम परम महाशक्तियां पूरा

ग्रेट-ग्रेट यूनिवर्स चलाती हैं। तो पहले मल्टीवर्स में जितने भी G1, G2, G3, G4,..., G17 तक। सब परम परम परम महाशक्तियां ही चलाती थीं, पूरा। पुराना जो मेरा रिकॉर्ड वीडियोस में पड़ा है, तो देख लेना। सब परम महाशक्तियां पैदा करके, रचना करके, उनके द्वारा ब्रह्मांड चलाते थे। क्योंकि शक्तियां ही सारा काम, अच्छा काम कर सकती हैं। तो 5 करोड़ परम परम महाशक्तियों को भेजा गया। वो G1 से होकर सारे ग्रेट-ग्रेट यूनिवर्स को ऑब्जर्व किया। बेहद समय से पहले, उसको काफी समय पहले भेजा गया था। जब ऊपर से ऑलमाइटी ने बेहद के पीएम के द्वारा 21 पीढ़ि वाले को आदेश दिया। सारा यह जहां से ब्लैक नजर आता है। वो जाकर सारा छान मार कर रिपोर्ट भेजो। तब 21 पीढ़ि वाले ने एक निराकारी रूप G2 में भेजा था। हमारे मल्टीवर्स के G2 में और G2 में से सारा रिपोर्ट लेने के लिए 5 करोड़ परम परम महाशक्तियों को भेजा था। इन्होंने कई G1 के सैंपलों के हिसाब से G1 को ऑब्जर्व किया। कई यूनिवर्स को ऑब्जर्व किया। यूनिवर्स को ऑब्जर्व करते-करते हमारे यूनिवर्स में आए। क्योंकि हमारा यूनिवर्स बहुत गड़बड़ वाला था। वो 16 कला का था और 0 कला में आ गया था। तो वो हमारे यूनिवर्स के 3 कला में रहकर। उन्होंने 5 करोड़ वहां से आईं और उन्होंने हमारी सारी गैलेक्सियों को ऑब्जर्व किया। हमारे यूनिवर्स की सारी गैलेक्सियों में जो हमारी गैलेक्सी सबसे गड़बड़ वाली थी, उसमें। फिर हमारे ब्रह्मांड को ऑब्जर्व करने के लिए उसने 5 लाख हमारे ब्रह्मांड में, उसमें से, 5 करोड़ में से 5 लाख परम परम महाशक्तियों को उसने भेजा था और वो 5 लाख परम परम महाशक्तियां पहले हमारे ब्रह्मांड में आईं, निराकारी रुप में। फिर ऑब्जर्व करते-करते स्वर्ग लोक में आईं। तो स्वर्ग लोक में काफी टाइम रुकीं। तो थोड़ा मनमोहक एटमॉस्फेयर था, स्वर्ग लोक का। तो वहां 5 लाख रूकीं और वहां से फिर अब ऑब्जर्व करके पूरे ब्रह्मांड का रिपोर्ट ऊपर गैलेक्सी वाली में भेजना था। गैलेक्सी से यूनिवर्स में जा रहा था और यूनिवर्स से फिर ग्रेट यूनिवर्स में जा रहा था, रिपोर्ट और ग्रेट यूनिवर्स से ऊपर जा रहा था। तो सारी यह 5 लाख स्वर्ग में रुकीं। उनमें से 16000 को धरती पर भेजा गया कि तुम धरती पर जाकर तुम ऑब्जर्व करो। तो धरती पर यह 16000 परियों के रूप में, स्वर्ग लोक की परियों के रूप में ऑब्जर्व कर रही थीं। तब एक अष्टावक्र ऋषि नाम का जो था। आप जानते ही होंगे। सब शास्त्रों को जानते ही होंगे। उसने 16000 को श्राप दे दिया और वो साकार रूप में आईं और वो जरासंध की जेल में पड़ीं और जरासंध की जेल से श्री कृष्ण ने भीम के द्वारा छुड़वाया और फिर उनको रानियां बनाया और वही रानियां दोवारा श्री कृष्ण की आज की सोने की द्वारिका में सरेंडर रूप में बैठी हैं और वो ही सारा ज्ञान दुनिया में फैला रही है, झूठा ज्ञान। परम शांति...